विदेशियों ने जाने पुलिस के तौर-तरीके

भास्कर न्यूज | सिरसा

पुलिस और ग्रामीणों के बीच तालमेल कैसा चल रहा है? आखिर कौन सी परेशानियां हैं जिनकी वजह से दोनों के बीच इतना अंतर बना हुआ है। ऐसा क्यों हो रहा है।

इन सभी तथ्यों पर मंथन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडिंग ऑफिसर अरिदमन जीत सिंह इंग्लैंड से एक दल के साथ जिले में पुलिस अधिकारियों व ग्रामीणों से रूबरू हो रहे हैं। उनके इस जनहित के कार्य में इंग्लैंड से आया हुआ एक पांच सदस्यीय दल शामिल है। इस दल में पुलिस अधिकारी तथा टीचरों को मिलाकर महिला तथा पुरुष दोनों ही मौजूद हैं। यह दल भी कमांडिंग ऑफिसर के साथ मिलकर ग्रामीणों से पूछ रहे हैं कि उनका पुलिस के प्रति नजरिया क्या है? ग्रामीण और पुलिस अधिकारियों के विचार अरिदमन सिंह अंग्रेजी भाषा में बोलकर उन्हें समझाते हैं और उनके विचार पुलिस तथा ग्रामीणों को हिंदी में बोलकर बताते हैं। गौरतलब है कि यह दल सदर थाने के कई गांवों में घूमने के बाद शुक्रवार को सदर थाना प्रभारी से मुखातिब हुआ। इस बारे में सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडिंग ऑफिसर का कहना है कि हमारे प्रशासन में अंग्रेजों के जमाने के बनाए हुए नियम चले आ रहे हैं। बदलते परिवेश में उन नियमों में भी बदलाव आवश्यक है। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने जो पुलिस के नियमों में बदलाव किए हैं वह भी जनता व पुलिस के हित में न होकर पुलिस के उच्च अधिकारियों के हित में हैं। जनता के नजरिए से पुलिस में बदलाव पर सर्वे पूरे हरियाणा में चलेगा, लेकिन सर्व प्रथम यह सिरसा से आरंभ किया गया है।

यूके से आए पांच सदस्यीय दल में टीचर टोबायस शेफर्ड, बेरिस्टर मनीषा सिंह, स्पेशल पुलिस ऑफिसर मलीशा गोर्डन, बेरिस्टर जितेंद्र सिंह के अलावा टीचर जेनेफर शेफर्ड भी शामिल हैं। इस मौके पर सदर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह, महिला सैल की एसआई कौशल्या देवी के अलावा सब इंस्पेक्टर रामनाथ मौजूद थे।

सिरसा। कानून व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सिरसा के सदर थाने में इंग्लैंड से आए विदेशी समाजसेवी व शिक्षाविद् टोबायर शेफर्ड व अन्य। फोटो भास्कर